मूर्धाविसिक्तादार्भ्य र्थकारं यावत् — 45. Calc. Ausg. und D. मूर्धाभि-षिक्ता । Schol. मूर्धन्यविसच्यते स्म मूर्धाविसिक्तः ।

Str. 897, 54. Calc. Ausg. चाएडाला । Schol. चएडमुग्रं कर्म म्रलति पर्याप्राति चएडालः ।

Str. 898, 56. B. und die Scholien: बैदेक्को।

Str. 899, 61. Schol. सामानतातीयकाद्यणा समृद्ः।

Str. 900, 62. Calc. Ausg. D. E. कलाभिज्ञानं । Schol. विविधं ज्ञा-यते विज्ञानम् — 64. Calc. Ausg. und D. पुष्पाजीवी । Schol. पुष्पिरा-जीवति पुष्पाजीवः ।

Str. 901, 66. Calc. Ausg. म्हाजिवी ।

Str. 902, 68. Calc. Ausg. परिभ्रता, die Scholien: परिश्रवित स्म परिश्रता। — Calc. Ausg. und B. E. काश्यं, die Scholien wie wir. — Calc. Ausg. und D. परिश्रतम, die Scholien: परिश्रवित परिश्रत् Str. 903, 71. Calc. Ausg. माद्दीकं, E. माद्दीकं, die Scholien wie wir, mit Erwähnung der Variante माद्दीकम्। — Calc. Ausg. मिद्दीकं, die Scholien wie Scholien wie wir.

Str. 904, 72. Die Scholien: मधु मात्तिकम् तिद्माश्र ग्रासूयते मद्यासवः। मधुना विकारा माधवकः। — 75. 76. Die Scholien: — माषदलन्यादि मध्यव तम्

Str. 906, 80. Die Scholien: म्रनुतर्था प्रि । — 82. Dieselben: = म्यापानावसर् ।

Str. 907, 85. Calc. Ausg. und E. मध्यपासनम्, die Scholien wie wir.

Str. 908, 86. Calc. Ausg. und E. कालादा, die Scholien wie wir.